डॉ० राजेन्द्र प्रसाद [New]
जीवन - परिचय

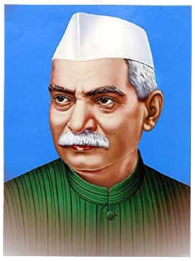

- जन्म – 3 दिसम्बर, 1884 ई०
- जन्म स्थान – जीरादेई (छपरा)
- मृत्यु – 28 फरवरी, 1963 ई०
- भारत के राष्ट्रपति रहे।
- भारतरत्न से अलंकृत
- सम्पादन– 'देश' पत्रिका।

जीवन परिचय:-

डॉ० राजेन्द्र प्रसाद जी का जन्म सन् 1884 ई० में बिहार के छपरा जिले के जीरादेई नामक ग्राम में हुआ था। राजेन्द्र प्रसाद जी बड़े मेधावी छात्र थे। प्रत्येक क्लास में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होते थे। कलकत्ता विश्वविद्यालय से एम० ए० किया तथा मुजफ्फरपुर के एक कॉलेज में अध्यापन कार्य करने लगें। पटना एवं कलकत्ता हाईकोर्ट में वकालत कार्य भी किया। भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस के तीन बार अध्यक्ष भी चुने गए। सन् 1962 ई० तक भारत के राष्ट्रपति पद को अलंकृत किया। सन् 1962 ई० में राजेन्द्र बाबू को सर्वोच्च पुरस्कार से रत्न से अलंकृत किया गया। सन् 1963 ई० में राजेन्द्र बाबू की मृत्यु हो गई।

कृतियाँ:-

नागरी प्रचारिणी सभा एवं 'दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा' के माध्यम से हिन्दी को समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इनकी प्रमुख रचनाएँ निम्नलिखित हैं।

- भारतीय शिक्षा
- गाँधी जी की देन
- शिक्षा और संस्कृति
- मेरी आत्मकथा
- बापू जी के कदमों में
- मेरी यूरोप यात्रा
- संस्कृति का अध्ययन
- खादी का अर्थशास्त्र
- चम्पारण में महात्मा गाँधी